

GUIDED POOJA SEVA



नवग्रह पूजा विधि

Navgraha Shanti Pooja — Complete Vidhi & Mantras

ग्रह शांति, दोष निवारण और जीवन कल्याण हेतु

यह मार्गदर्शिका पूजा का हर चरण — संकल्प, मंत्र, नव-द्रव्य अर्पण, आरती और प्रसाद
— पूर्ण विधि-विधान सहित सरल एवं व्यवस्थित क्रम में बताती है।

1. पूजा का उद्देश्य

नवग्रह — सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि, राहु और केतु — ये नौ खगोलीय शक्तियाँ मनुष्य के जीवन के समस्त पहलुओं को प्रभावित करती हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार कुंडली में ग्रहों की स्थिति, दशा, अंतर्दशा एवं गोचर के आधार पर इनके शुभ-अशुभ प्रभाव जीवन में आते हैं।

नवग्रह शांति पूजा से ग्रह दोषों का निवारण, ग्रहों की कृपा की प्राप्ति, मनोबल वृद्धि, स्वास्थ्य-सम्पत्ति-सौभाग्य में वृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति होती है।

महत्वपूर्ण: क्षेत्र, परंपरा और कुंडली अनुसार विधि में भिन्नता हो सकती है। यह PDF इस पूजा के लिए व्यावहारिक और व्यवस्थित क्रम देती है।

2. नवग्रह पूजा के प्रकार

प्रकार	विवरण	अवसर
नवग्रह शांति पूजा	सभी नौ ग्रहों की एक साथ षोडशोपचार पूजा	कुंडली दोष, गृह प्रवेश, विवाह पूर्व
एकल ग्रह शांति	विशेष ग्रह (जैसे शनि, राहु, मंगल) की अलग पूजा	ग्रह दशा, साढ़े-साती, मंगलिक दोष
नवग्रह होम/यज्ञ	हवन कुंड में नव-समिधाओं से आहुति	कुंडली शांति, विशेष कामनापूर्ति
ग्रह दान	प्रत्येक ग्रह के अनुसार द्रव्य दान	दशा प्रारंभ, साप्ताहिक उपाय

3. पूजा से पहले तैयारी

विषय	तैयारी
स्थान	घर में स्वच्छ स्थान, बड़ी पूजा चौकी। यदि होम हो तो खुला स्थान/आँगन।
यजमान	स्नान करके स्वच्छ वस्त्र। परिवार के सभी सदस्य साथ बैठें।
प्रतिमा/यंत्र	नवग्रह यंत्र, नवग्रह मूर्ति या 9 कलश स्थापित करें। नव-द्रव्य अलग-अलग रखें।
वातावरण	शांत वातावरण, मोबाइल साइलेंट। अगरबत्ती/धूप लगाएं।
दिशा	पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख करके बैठें।

4. पूजा सामग्री सूची

- नवग्रह यंत्र या मूर्ति
- 9 छोटे कलश (नव-द्रव्य हेतु)
- बड़ा कलश (मुख्य)
- गणेश प्रतिमा/चित्र
- लाल कपड़ा (चौकी हेतु)
- 9 रंगों के छोटे कपड़े
- अक्षत (कच्चे चावल)
- रोली/कुमकुम/हल्दी
- पंचामृत सामग्री
- 9 दीपक (नव ग्रह)
- देसी घी
- धूप/अगरबत्ती
- गेहूँ (सूर्य हेतु)
- चावल (चंद्र हेतु)
- मसूर दाल (मंगल हेतु)
- मूँग (बुध हेतु)
- चना/चनादाल (गुरु हेतु)
- सफेद चावल/चाँदी (शुक्र हेतु)
- काली उड़द दाल/तिल (शनि हेतु)
- काले तिल/माँस दाल (राहु हेतु)
- घोड़ा चना (केतु हेतु)
- ताम्बूल (पान-सुपारी)
- फल एवं मिठाई
- जल पात्र/आचमनी

5. नव ग्रह परिचय एवं सामग्री

#	ग्रह	अधिपति देवता	वार	रंग	नव-द्रव्य	रत्न
1	सूर्य Surya	भगवान विष्णु	रविवार	लाल/नारंगी	गेहूँ, लाल कपड़ा, ताम्बा	माणिक्य (Ruby)
2	चंद्र Chandra	भगवान शिव	सोमवार	सफेद/चाँदी	चावल, सफेद कपड़ा, चाँदी	मोती (Pearl)
3	मंगल Mangal	भगवान हनुमान/ कार्तिकेय	मंगलवार	लाल	मसूर दाल, लाल कपड़ा, सोना	मूँगा (Coral)
4	बुध Budha	भगवान विष्णु	बुधवार	हरा	मूँग, हरा कपड़ा, पन्ना	पन्ना (Emerald)
5	बृहस्पति Guru	भगवान ब्रह्मा	गुरुवार	पीला	चना दाल, पीला कपड़ा, सोना	पुखराज (Yellow Sapphire)
6	शुक्र Shukra	देवी लक्ष्मी	शुक्रवार	सफेद/ गुलाबी	चावल, सफेद कपड़ा, चाँदी	हीरा (Diamond)
7	शनि Shani	भगवान यम	शनिवार	काला/नीला	उड़द दाल, काला कपड़ा, लोहा	नीलम (Blue Sapphire)
8	राहु Rahu	भगवान दुर्गा	शनिवार/ बुधवार	गहरा नीला	काले तिल, नीला कपड़ा, सीसा	गोमेद (Hessonite)
9	केतु Ketu	भगवान गणेश	मंगलवार/ गुरुवार	धूमिल/ विचित्र	घोड़ा चना, धारीदार कपड़ा, सोना	लहसुनिया (Cat's Eye)

6. पूजा क्रम — संक्षिप्त विवरण

क्र.	चरण	विवरण
1	गणेश स्थापना व पूजन	सर्वप्रथम भगवान गणेश की पूजा करें — विघ्ननिवारण हेतु।
2	कलश स्थापना	जल से भरे मुख्य कलश की स्थापना, वरुण देव का आह्वान।
3	संकल्प	यजमान हाथ में जल-पुष्प-अक्षत लेकर संकल्प करें।

क्र.	चरण	विवरण
4	नवग्रह ध्यान	नवग्रह का ध्यान करें, नव आसनों/कलशों की स्थापना।
5	षोडशोपचार पूजन	सभी नौ ग्रहों को 16 उपचार अर्पित करें।
6	नव-द्रव्य अर्पण	प्रत्येक ग्रह के अनुसार विशेष धान्य/द्रव्य अर्पित करें।
7	बीज मंत्र जाप	प्रत्येक ग्रह के बीज मंत्र का 108 बार जाप करें।
8	नवग्रह स्तोत्र	नवग्रह स्तोत्र/अष्टोत्तर पाठ करें।
9	होम (यदि हो)	नव-समिधाओं से नव-ग्रहों को आहुति।
10	नवग्रह आरती	आरती करें — सभी परिवार के सदस्य भाग लें।
11	पुष्पांजलि एवं क्षमा प्रार्थना	पुष्प अर्पित करें और भूल-चूक के लिए क्षमा माँगें।
12	प्रसाद वितरण	नैवेद्य/फल/मिठाई को प्रसाद रूप में वितरित करें।

7. विस्तृत पूजा विधि

7.1 द्वार पूजन एवं गणेश पूजन

पूजा स्थान के प्रवेश में हल्दी-कुमकुम से स्वस्तिक बनाएं। भगवान गणेश की प्रतिमा पर रोली, अक्षत, फूल और मोदक/लड्डू अर्पित करें।

ॐ गं गणपतये नमः

Om Gam Ganapataye Namah

अर्थ: हे गणपति, मैं आपको नमस्कार करता हूँ। पूजा का शुभारंभ करते हुए विघ्नों को दूर करें।

7.2 कलश स्थापना

जल से भरे कलश में आम के पत्ते और नारियल रखकर वरुण देव का आवाहन करें।

ॐ वरुणाय नमः। कलशे वरुणं आवाहयामि।

तत् सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि।

धियो यो नः प्रचोदयात्॥

Om Varunaya Namah. Kalshe Varunam Avahayami.

Tat Savitur Varenyam Bhargo Devasya Dhimahi. Dhiyo Yo Nah Prachodayat.

7.3 संकल्प

यजमान बायें हाथ में जल, पुष्प और अक्षत लेकर, दायाँ हाथ ऊपर रखकर संकल्प करें:

ॐ विष्णुर्विष्णुर्विष्णुः। श्रीमद्भगवतो महापुरुषस्य विष्णोराज्ञया
प्रवर्तमानस्य, अद्य ब्रह्मणोऽहि द्वितीय परार्धे, श्री श्वेतवाराहकल्पे,
वैवस्वतमन्वन्तरे, अष्टाविंशतितमे युगे, कलियुगे, कलिप्रथमचरणे,
जम्बूद्वीपे, भारत/अमेरिका खण्डे...

अहं (यजमान का नाम) मम समस्त ग्रह पीडा शान्त्यर्थ, ग्रह दोष निवारणार्थ,
सकुटुम्ब-सपरिवार नवग्रह शांति पूजनं अहं करिष्ये।

I, (yajman's name), along with my family, undertake this Navgraha Shanti Pooja for the pacification of all planetary afflictions and for the welfare of my family.

7.4 नवग्रह ध्यान मंत्र

ब्रह्मा मुरारिस्त्रिपुरान्तकारी भानुः शशी भूमिसुतो बुधश्च।

गुरुश्च शुक्रः शनिराहुकेतवः सर्वे ग्रहाः शान्तिकरा भवन्तु॥

Brahma Muraris Tripurantakari Bhanuh Shashi Bhumisuto Budhashcha.

Gurushcha Shukrah Shanirahu Ketavah Sarve Grahah Shantikara Bhavantu.

अर्थ: ब्रह्मा, विष्णु, शिव, सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, शनि, राहु और केतु — ये सभी ग्रह हमें शांति प्रदान करें।

8. षोडशोपचार पूजन (16 उपचार)

सभी नौ ग्रहों को एक-एक करके निम्न 16 उपचार अर्पित करें। प्रत्येक ग्रह के नाम के साथ उनका विशेष मंत्र बोलें।

#	उपचार	सामग्री	मंत्र (सभी ग्रहों हेतु)
1	आवाहन	पुष्प, अक्षत	ॐ [ग्रह नाम] आगच्छ, आगच्छ। ॐ नवग्रहेभ्यो नमः।
2	आसन	कपड़ा/पुष्प	ॐ [ग्रह नाम] आसनं समर्पयामि।
3	पाद्य	जल	ॐ [ग्रह नाम] पाद्यं समर्पयामि।
4	अर्घ्य	जल + पुष्प	ॐ [ग्रह नाम] अर्घ्यं समर्पयामि।
5	आचमन	जल	ॐ [ग्रह नाम] आचमनीयं समर्पयामि।
6	स्नान	पंचामृत	ॐ [ग्रह नाम] स्नानं समर्पयामि।
7	वस्त्र	नव रंग वस्त्र	ॐ [ग्रह नाम] वस्त्रं समर्पयामि।
8	यज्ञोपवीत	जनेऊ/मौली	ॐ [ग्रह नाम] यज्ञोपवीतं समर्पयामि।
9	गंध	चंदन/रोली	ॐ [ग्रह नाम] गंधं समर्पयामि।
10	पुष्प	नव रंग के पुष्प	ॐ [ग्रह नाम] पुष्पं समर्पयामि।
11	धूप	अगरबत्ती	ॐ [ग्रह नाम] धूपं समर्पयामि।
12	दीप	घी-दीपक	ॐ [ग्रह नाम] दीपं समर्पयामि।
13	नैवेद्य	ग्रह-विशेष धान्य + मिठाई	ॐ [ग्रह नाम] नैवेद्यं समर्पयामि।
14	ताम्बूल	पान-सुपारी	ॐ [ग्रह नाम] ताम्बूलं समर्पयामि।
15	दक्षिणा	सिक्का/दान	ॐ [ग्रह नाम] दक्षिणां समर्पयामि।
16	प्रदक्षिणा नमस्कार	—	ॐ [ग्रह नाम] प्रदक्षिणां समर्पयामि। नमः।

नोट: "[ग्रह नाम]" के स्थान पर उस ग्रह का नाम बोलें — जैसे: सूर्याय, चंद्राय, भौमाय, बुधाय, गुरवे, शुक्राय, शनैश्चराय, राहवे, केतवे।

9. नव ग्रह बीज मंत्र

प्रत्येक ग्रह के बीज मंत्र का 108 बार जाप माला पर करें। यजमान मन में जाप कर सकते हैं।

सूर्य (Sun)

ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः।

Om Hraam Hreem Hraum Sah Suryaya Namah.

जाप संख्या: 7,000 | वार: रविवार | फूल: लाल | प्रसाद: गेहूँ/गुड़

चंद्र (Moon)

ॐ श्रां श्रीं श्रौं सः चंद्राय नमः।

Om Shraam Shreem Shraum Sah Chandraya Namah.

जाप संख्या: 11,000 | वार: सोमवार | फूल: सफेद | प्रसाद: खीर/चावल

मंगल (Mars)

ॐ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः।

Om Kraam Kreem Kraum Sah Bhaumaya Namah.

जाप संख्या: 10,000 | वार: मंगलवार | फूल: लाल | प्रसाद: मसूर/गुड़

बुध (Mercury)

ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः।

Om Braam Breem Braum Sah Budhaya Namah.

जाप संख्या: 9,000 | वार: बुधवार | फूल: हरा | प्रसाद: मूँग/हरी सब्जी

बृहस्पति/गुरु (Jupiter)

ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः गुरुवे नमः।

Om Graam Greem Graum Sah Gurave Namah.

जाप संख्या: 19,000 | वार: गुरुवार | फूल: पीला | प्रसाद: चना/पीली मिठाई

शुक्र (Venus)

ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः।

Om Draam Dreem Draum Sah Shukraya Namah.

जाप संख्या: 16,000 | वार: शुक्रवार | फूल: सफेद/गुलाबी | प्रसाद: चावल/मिठाई

शनि (Saturn)

ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः।

Om Praam Preem Praum Sah Shanaishcharaya Namah.

जाप संख्या: 23,000 | वार: शनिवार | फूल: नीला/काला | प्रसाद: उड़द/तिल

राहु (North Node)

ॐ भ्रां भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः।

Om Bhraam Bhreem Bhraum Sah Rahave Namah.

जाप संख्या: 18,000 | वार: शनि/बुध | फूल: काला/नीला | प्रसाद: काले तिल

केतु (South Node)

ॐ स्त्रां स्त्रीं स्त्रौं सः केतवे नमः।

Om Straam Streem Straum Sah Ketave Namah.

जाप संख्या: 17,000 | वार: मंगल/गुरु | फूल: विचित्र | प्रसाद: घोड़ा चना

10. नवग्रह स्तोत्र

जपाकुसुम संकाशं काश्यपेयं महाद्युतिम्।
तमोऽरिं सर्वपापघ्नं प्रणतोऽस्मि दिवाकरम्॥ (सूर्य)

दधिशंखतुषाराभं क्षीरोदारणवसंभवम्।
नमामि शशिनं भक्त्या शम्भोर्मुकुटभूषणम्॥ (चंद्र)

धरणीगर्भसंभूतं विद्युत्कान्तिसमप्रभम्।
कुमारं शक्तिहस्तं तं मंगलं प्रणमाम्यहम्॥ (मंगल)

प्रियंगुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम्।
सौम्यं सौम्यगुणोपेतं तं बुधं प्रणमाम्यहम्॥ (बुध)

देवानां च ऋषीणां च गुरुं कांचनसन्निभम्।
बुद्धिभूतं त्रिलोकेशं तं नमामि बृहस्पतिम्॥ (गुरु)

हिमकुंदमृणालाभं दैत्यानां परमं गुरुम्।
सर्वशास्त्रप्रवक्तारं भार्गवं प्रणमाम्यहम्॥ (शुक्र)

नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम्।
छायामार्तण्डसंभूतं तं नमामि शनैश्चरम्॥ (शनि)

अर्धकायं महावीर्यं चंद्रादित्यविमर्दनम्।
सिंहिकागर्भसंभूतं तं राहुं प्रणमाम्यहम्॥ (राहु)

पलाशपुष्पसंकाशं तारकाग्रहमस्तकम्।
रौद्रं रौद्रात्मकं घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहम्॥ (केतु)

इति व्यासमुखोद्गीतं यः पठेत् सुसमाहितः।

दिवा वा यदि वा रात्रौ विघ्नशान्तिर्भविष्यति॥

Navgraha Stotram composed by Sage Vyasa — recitation of this stotra removes planetary afflictions day or night.

11. नवग्रह आरती

ॐ जय जय नवग्रह देवा, प्रभु जय जय नवग्रह देवा।

सूर्य चंद्र मंगल बुध, जय गुरु शुक्र देवा॥ (टेक)

शनि राहु केतु सहित, नव ग्रह प्रभु जय हो।

भक्तों के दुःख हरते, सुख शान्ति तुम दो॥ (जय जय...)

रवि की किरण से जीवन, चंद्र से मन शीतल।

मंगल का बल पाएं हम, बुध दे ज्ञान निर्मल॥ (जय जय...)

गुरु की कृपा से धर्म, शुक्र से सौभाग्य।

शनि की कृपा से कर्म, राहु-केतु प्रसन्न॥ (जय जय...)

ग्रह दोष हरो प्रभु, शान्ति सुख दो हमें।

धर्म पथ पर चलाओ, भव सागर से तारो॥ (जय जय...)

ॐ जय जय नवग्रह देवा, प्रभु जय जय नवग्रह देवा।

सूर्य चंद्र मंगल बुध, जय गुरु शुक्र देवा॥

12. पुष्पांजलि मंत्र

नवग्रहेभ्यो नमः। नवग्रहाः सुप्रीताः सुप्रसन्ना वरदा भवन्तु।

एष पुष्पांजलिः — ॐ नवग्रहेभ्यो नमः।

Navagrahebhyo Namah. May the nine planets be pleased and grant blessings. I offer this Pushpanjali to all nine planets.

13. क्षमा प्रार्थना

आवाहनं न जानामि न जानामि विसर्जनम्।

पूजाविधिं न जानामि क्षमस्व परमेश्वर॥

मंत्रहीनं क्रियाहीनं भक्तिहीनं सुरेश्वर।

यत्पूजितं मया देव परिपूर्णं तदस्तु मे॥

O Lord, I know not how to invoke, worship, or bid farewell. Forgive me for all errors. May this worship, even if incomplete in ritual, be complete in your grace.

14. पूजा में भूमिकाएँ

भूमिका	करने वाले	कार्य
मुख्य यजमान	गृह स्वामी	संकल्प, प्रत्येक ग्रह को द्रव्य अर्पण, आरती में प्रमुख भाग।
यजमान पत्नी	गृहिणी	पंचामृत तैयार करना, दीपक जलाना, नव-द्रव्य व्यवस्था।
परिवार	सभी सदस्य	बीज मंत्र जाप में साथ दें, पुष्पांजलि अर्पित करें।
मंत्र-पाठ	स्वयं यजमान, परिवार अथवा पुजारी	जो भी उपस्थित होकर मंत्रोच्चारण करें।
सहायक	परिवार सदस्य	सामग्री देना, दीपक आरती थाल संभालना।

15. यजमान विशेष निर्देश

- पूजा के दिन सुबह स्नान करके स्वच्छ वस्त्र पहनें। उपवास या सात्विक भोजन उत्तम।

- पूजा स्थान को पहले से साफ करें और गंगाजल से शुद्ध करें।
- नव-द्रव्य (9 ग्रहों की सामग्री) पहले से अलग-अलग थैलियों या कटोरियों में रखें।
- नव रंग के फूल पहले से तैयार रखें।
- पूजा के बाद नव-द्रव्य का दान — ब्राह्मण, मंदिर या गरीबों को — करें।
- आरती थाल में कुमकुम, फूल, अक्षत और दीपक रखें।
- यदि होम है तो आहुति के लिए घी और समिधा पहले से तैयार रखें।
- पूजा समाप्त होने के बाद प्रसाद सभी को वितरित करें।

16. संकल्प पत्र

विवरण	भरें
यजमान का नाम (संस्कृत/हिंदी में)	
गोत्र	
माता का नाम	
पूजा का कारण / ग्रह दोष	
विशेष कामना	
पूजा की तिथि	
स्थान / शहर	